www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 116 | जौनपुर बुधवार, 10 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### आप सांसद संजय सिंह ने यूपी में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में नियम 267 के तहत एक नोटिस पेश किया, जिसमें उत्तर प्रदेश में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की गई। संसद का निचला सदन चुनाव सुधारों के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसमें विभिन्न राज्यों में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा शामिल होगी। विपक्षी दल महीनों से एसआईआर पर बहस की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगा रही है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) आज निचले सदन में चर्चा की शुरुआत कर सकते हैं। एलओपी एसआई आर के मुखर आलोचक रहे हैं और उनका आरोप है कि सरकार इस प्रक्रिया का इस्तेमाल असली मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कर रही है। केसी वेणुगोपाल चुनाव सुधारों पर बहस में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। लोकसभा और राज्यसभा में पूरी चर्चा के लिए कुल 10 घंटे निर्धारित किए गए हैं।

### फंड रोकने से नहीं रुकेगा बंगाल का विकास – ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार को किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है और सभी कल्याणकारी योजनाओं को स्वतंत्र रूप से चलाना जारी रखेगी। उन्होंने एनआरसी और सीएए के प्रति अपने कड़े विरोध ा को भी दोहराया और घोषणा की कि बंगाल कभी भी डिटेंशन कैंप की अनुमति नहीं देगा। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि हमें केंद्र से किसी मदद की आवश्यकता नहीं हैय हम सभी योजनाएँ स्वयं चला रहे हैं। परसों, उन्होंने (केंद्र ने) हमें एक नोटिस जारी कर 6 दिसंबर तक तिमाही श्रम बजट जमा करने को कहा था। लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि आपके नोटिस का कोई महत्व नहीं है। बंगाल 100 दिनों का कार्य कार्यक्रम अपने दम पर चलाएगा। मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया, और कहा कि बंगाल में कोई डिटेंशन कैंप नहीं होगा। न एनआरसी, न सीएए, हम इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम लोकतंत्र बचाएँगे और बंगाल को बचाएँगे। केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं से मुलाकात की थी।

## कोई भी कानून नागरिकों पर बोझ न बने, सरकारी सुधारों से जीवन आसान होना जरूरी - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आज संसद परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों की बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में सभी सांसदों ने सामूहिक रूप से पीएम मोदी को सम्मानित किया।

देश सुधार एक्सप्रेस के दौर में – प्रधानमंत्री मोदी

एनडीए संसदीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश अब पूर्ण रूप से सुधार एक्सप्रेस के दौर में है, जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे से हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक–केंद्रित हैं, यह केवल आर्थिक या राजस्व–केंद्रित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता से विकास कर सकें। प्रधानमंत्री ने सांसदों से आग्रह किया कि वे आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को सक्रिय रूप से साझा करें, ताकि सुधार एक्सप्रेस हर घर तक पहुंच सके और रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर कर सके। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने यह भी कहा कि वह 30–40 पेज के फॉर्म और अनावश्यक कागजी कार्रवाई की संस्कृति को समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के दरवाजे पर सेवाएं उपलब्ध कराने और बार–बार डेटा जमा करने की आवश्यकता को समाप्त करने की जरूरत है। एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, आज की बैठक में बिहार चुनावों में एनडीए की जीत के लिए सभी एनडीए नेताओं ने पीएम मोदी को बधाई दी। पीएम मोदी ने सभी एनडीए सांसदों को अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए काम करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने जनता के जीवन को आसान बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रों में सुधार करने पर जोर दिया कि उन्हें कोई समस्या न हो। पीएम ने कहा कि कानूनों से लोगों की मदद होनी चाहिए।

## इंडिगो की उड़ानें पटरी पर लौटीं, 1800 से ज्यादा फ्लाइट संचालन बहाल बैग डिलीवरी भी तेज हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा है कि नेटवर्क में लगातार कई दिनों से सुधार के बाद उसकी सभी उड़ान सेवाएं अब सामान्य हो चुकी हैं। कंपनी ने पुष्टि की कि वेबसाइट पर प्रकाशित सभी फ्लाइट्स अब एडजस्टेड नेटवर्क के तहत नियमित रूप से संचालित होंगी। एयरलाइन के अनुसार, हवाई अड्डों पर फंसे लगभग सभी बैग यात्रियों को लौटा दिए गए हैं और बचे हुए बैग जल्द पहुंचाने का काम तेजी से जारी है। कंपनी ने बताया कि वह आज 1800 से अधिक उड़ानें संचालित कर रही है, जो नेटवर्क में मौजूद सभी 138 स्टेशनों को जोड़ती हैं। वहीं, कल लगभग 1900 उड़ानें संचालित करने की योजना है। इंडिगो ने कहा कि उसकी ऑन–टाइम परफॉर्मेंस भी अब पहले की तरह सामान्य हो गई है।

फुल रिफंड की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑटोमेट

एयरलाइन ने यात्रियों के लिए कैंसिलेशन पर 'नो क्वेश्चन आस्क्ड' नीति के साथ फुल रिफंड की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑटोमेट कर दिया है, जिसे कंपनी की वेबसाइट पर सरल प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जा सकेगा। इंडिगो ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का नवीनतम स्टेटस वेबसाइट पर अवश्य चेक करें। कंपनी ने सेवा बाधित होने से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी जताया है।

## अमित शाह ने संसद में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। शाह ने कांग्रेस के 1937 के अधिवेशन में वंदे मातरम के आखिरी चार छंदों के इस्तेमाल रोके जाने के प्रस्ताव पर भी बात की और पंडित नेहरू की भूमिका पर कई सवाल उठाए। अमित शाह ने इंडिया गठबंधन यानी विपक्ष पर आरोप लगाया कि संसद में जब भी वंदे मातरम का गान होता है तब उसके कई सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं, जबकि भाजपा के सभी नेता खड़े होकर इसका उचित सम्मान करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि कल कुछ सदस्यों ने लोकसभा में प्रश्न उठाया था कि आज वंदे मातरम पर चर्चा की जरूरत क्या है। वंदे मातरम पर चर्चा की जरूरत जब वंदे मातरम बना था, तब भी थी, आजादी के समय भी थी, आज भी है और 2047 में जब आधुनिक भारत होगा, तब भी रहेगी। क्योंकि वंदे मातरम में कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की भावना है। तो जिन्हें वंदे मातरम पर चर्चा की वजह समझ नहीं आ रहा, उन्हें नए सिरे से सोचने की जरूरत है। जिसकी उद्घोषणा 150 साल पहले बंकिम बाबू ने की, उसका भाव सदियों पुराना है। भगवान राम ने कहा था माता और मातृभूमि ईश्वर से भी बड़ी होती है।

## डाक्टर की मौत की जांच के लिए एसआईटी का गठन – सीएम फडणवीस

मुंबई, एजेसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सतारा में महिला डॉक्टर की कथित आत्महत्या के मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है। फॉरेंसिक रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि डॉक्टर के हाथ पर लिखा हुआ नोट वास्तव में उसी ने लिखा था। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान फडणवीस ने कहा, नासिक की डॉक्टर की कथित आत्महत्या के मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई है। फॉरेंसिक रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि डॉक्टर के हाथ पर लिखा गया सुसाइड नोट उन्हीं का लिखा हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच में अब तक यह सामने आया है कि पुलिस अधिकारी मदाणे ने डॉक्टर को धोखा दिया और उसका यौन शोषण किया,

जबकि एक अन्य आरोपी ने भी उसे छल और मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाया। उन्होंने कहा, मौजूदा फॉरेंसिक जांच में मृत्यु का कारण फांसी लगाना पाया गया है। जांच जारी है और जल्द ही आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। एक सेवानिवृत्त जज के माध्यम से स्वतंत्र जांच भी शुरू की गई है और पुलिस स्तर की जांच की निगरानी के लिए एक महिला आईपीएस अधिकारी नियुक्त की गई है। फडणवीस ने इस मुद्दे का कथित तौर पर राजनीतिकरण करने वालों की भी निंदा की और कहा, कुछ लोगों ने इस मामले को राजनीति से जोड़ने की दुर्भाग्यपूर्ण कोशिश की। इस मामले में सभी की जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि शक्ति कानून संविधान द्वारा राज्य को दी गई शक्तियों का उल्लंघन करता है, इसलिए इसे वापस भेजा गया। जिस कानून के आधार पर यह कानून बनाया गया था, उसे भी मंजूरी नहीं मिली। शक्ति कानून में किए गए कुछ नए प्रावधान अब नए तीन कानूनों में शामिल किए गए हैं। जो चीजें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं।

## राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर अदालत सख्त

नई दिल्ली, एजेसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी– इससे अराजकता हो सकती है

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव आयोग से कहा, वह एसआईआर के काम में अलग–अलग राज्य सरकारों की तरफ से सहयोग की कमी को गंभीरता से लें। सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा चुनाव पैनल चुनाव प्रक्रिया शुरू होने तक पुलिस को अपने अधिकार क्षेत्र में नहीं ले सकता। इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है। चुनाव आयोग की तरफ से अदालत में पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में तनाव के कारण बीएलओ के आत्महत्या करने का कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि उन्हें 30–35 वोटरों के छह–सात घरों की गिनती का काम करना होता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह डेस्क का काम नहीं है और ठस्ट को घर–घर जाकर गिनती का फॉर्म भरना होता है और फिर उसे अपलोड करना होता है। जस्टिस बागची ने कहा, श्यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर नियुक्त किया है।

## वंदे मातरम भारत की आत्मा का हिस्सा – प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस पर अपना भाषण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा सर से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। प्रियंका ने कहा कि आज सदन में वंदे मातरम पर बहस की दो वजहें हैं। पहला बंगाल में चुनाव आने वाला है। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री महोदय अपनी भूमिका बनाना चाहते हैं। दूसरा जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं, ये सरकार उन पर नए आरोप लादने का मौका चाहती है। ऐसा कर मोदी सरकार देश का ध्यान जनता के जरूरी मुद्दों से भटकाना चाहती है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पीएम मोदी के वंदे मातरम भाषण पर कहा क क्या 150 साल बाद वंदे मातरम पर बहस की जरूरत थी? देश को आजाद हुए 75 साल हो गए हैंय न तो उन्होंने और न ही जनसंघ ने कभी इस मुद्दे को उठाया। भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने की कोशिश कर रही है। वे जवाहरलाल नेहरू को गाली देते रहते हैं, लेकिन अब उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान करना शुरू कर दिया है।

## जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री के मानहानि मामले में एचसी का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी को निर्देश दिया कि वे विवादित सामग्री प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार समाचार प्लेटफॉर्म और अपलोड करने वालों को पक्षकार बनाएँ, इससे पहले कि न्यायालय कथित रूप से मानहानिकारक सामग्री को हटाने के किसी भी आदेश पर विचार करे। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने चौधरी द्वारा उन पोस्ट और वीडियो को तत्काल हटाने के अनुरोध पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिनमें उनके अनुसार ष्यौन संकेतष वाली एक मनगढ़ंत ऑडियो क्लिप दिखाई गई है। न्यायालय ने कहा कि मूल रूप से इसे प्रकाशित या प्रसारित करने वाली संस्थाओं को सुने बिना सामग्री के विरुद्ध कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता चौधरी, जिन्होंने नौशेरा विधानसभा सीट जीती और अक्टूबर 2024 में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, ने मानहानि का मुकदमा दायर कर आरोप लगाया है कि प्रसारित ऑडियो फर्जी और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस सामग्री ने उनकी सार्वजनिक प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाया है। सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने तर्क दिया कि चौधरी को हर दिन भारी नुकसान हो रहा है क्योंकि उनका चेहरा विभिन्न प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक पोस्ट पर दिखाई दे रहा है। हालाँकि, सोशल मीडिया मध्यस्थों के वकील ने बताया कि कई वीडियो स्थानीय समाचार चौनलों से लिए गए प्रतीत होते हैं, न कि किसी अज्ञात उपयोगकर्ता से। न्यायालय ने टिप्पणी की कि कुछ वीडियो 2023 के हैं।

## मेरे और सीएम सिद्धारमैया के बीच कोई मतभेद नही - डी के शिवकुमार

बंगलूरू, एजेसी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि उनके और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच कोई मतभेद नहीं है, और उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर सीएम के बेटे की टिप्पणियां मुझे समझ नहीं आईं। सिद्धरमैया के बेटे एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) यतींद्र सिद्धरमैया ने कहा था कि फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है और उनका मानना है कि सिद्धरमैया पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस टिप्पणी ने संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को फिर से हवा दे दी है। यह टिप्पणी सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच नाश्ते पर मुलाकात के एक दौर के बाद आयी है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार से जब इस बारे

में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है। मेरे और मुख्यमंत्री के बीच कोई मतभेद नहीं है। यह कभी नहीं था, यह आज नहीं है और यह भविष्य में भी नहीं रहेगा। मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने (यतींद्र) क्या कहा है। मैं उनसे बात करूंगा। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस आलाकमान के साथ हुई अपनी बातचीत का ब्योरा देने या इस बारे में बताने से इनकार कर दिया कि अगली बार बैठक के लिए कब बुलाया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस ने उनके समर्थन में बोलने वालों को नोटिस क्यों जारी किया, लेकिन यतींद्र को नहीं, तो शिवकुमार ने बस इतना कहा, मैं उनसे बात करूंगा। यतींद्र की टिप्पणी के बाद, सिद्धरमैया ने सोमवार को दोहराया कि पार्टी आलाकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसका पालन करेंगे।यतींद्र ने मंगलवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, कोई कुछ भी कहे, कहने दीजिये। मुझे जो कहना था, कह दिया है। मैं आगे कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता।कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के ढाई वर्ष 20 नवंबर को पूरे होने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई थीं। हाल ही में, पार्टी आलाकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने एक–दूसरे के आवास पर नाश्ते पर बैठकें कीं। इस कदम को नेतृत्व को लेकर खींचतान को रोकने और सिद्धरमैया के फिलहाल मुख्यमंत्री बने रहने का संकेत देने के प्रयास के रूप में देखा गया, खासकर आठ दिसंबर से शुरू होने वाले बेलगावी विधानमंडल सत्र से पहले।

# संपादकीय

## खुश रहना जीवन जीने की महान कला

हर बात में शिकायत ढूंढना, आलोचना करना और छोटी–सी बात में भी बुराई खोज लेना, आत्मा का धीरे–धीरे क्षय करने वाली सबसे घातक आदत है। यदि यह आदत जीवन की शुरुआत में ही पड़ जाए, तो व्यक्ति अनजाने में इसका कैदी बन जाता है। उसका आत्मबल क्षीण हो जाता है, उसका मन नकारात्मकता की धुंध से घिर जाता है, और फिर उसका पूरा जीवन निराशा और निंदकता की दलदल में फंस जाता है। जीवन में किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने का सबसे पहला नियम है–हर परिस्थिति में उजियारा देखने की आदत डालना। चाहे विपरीत हवा कितनी भी प्रचंड क्यों न हो, अपने मन को यह वचन दीजिए कि मैं हर दिन को एक नई भोर की तरह देखूंगा। सफलता केवल मेहनत या कौशल का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह आपके दृष्टिकोण का प्रतिबिंब भी होती है। चाहे जीवन में कितनी भी चुनौतियां आएं, यदि आप यह संकल्प ले लें कि हर दिन का भरपूर आनंद लेंगे और हर अनुभव में कुछ न कुछ सीखने योग्य ढूंढेंगे, तो आपके भीतर अद्भुत शक्ति जागृत होने लगती है। सकारात्मकता कोई साधारण आदत नहीं, बल्कि आत्मा को ऊंचा उठाने वाला अमृत है। कठिन से कठिन माहौल में भी यदि आप ध्यान से देखें, तो आपको कोई न कोई ऐसा पहलू अवश्य दिखेगा, जो मन को संतोष दे और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाए। युवाओं के लिए यह क्षमता कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखें, किसी भी धन–दौलत से अधिक कीमती है। यह वही शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बनाने का सामर्थ्य रखती है। इसलिए संकल्प लें कि जीवन में आशावाद आपका स्थायी साथी होगा, निराशा को आपके भीतर घर करने की अनुमति कभी नहीं मिलेगी, और जहां भी जाएंगे, अपने साथ प्रकाश, ऊर्जा और प्रसन्नता लेकर जाएंगे। खुशी का प्रभाव किसी चमत्कारिक औषधि की तरह होता है। यह केवल मन को ही नहीं, शरीर को भी स्वस्थ बनाती है। एक खुशमिजाज व्यक्ति की उपस्थिति से पूरा माहौल बदल जाता है, वहां मौजूद लोगों के मन में उत्साह और वातावरण में नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। जैसे एक संगीतकार बनने के लिए केवल इच्छा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास आवश्यक है, वैसे ही खुश रहना भी एक कला है, एक अनुशासन है। मन में यह विश्वास जगाएं कि हमारे भीतर बाधाओं को पार करने की अपार क्षमता है। दृष्टिकोण बदलने भर से जीवन का हर दृश्य बदल जाता है। हर बुरी से बुरी घटना में भी कोई न कोई संदेश होता है, कोई सीख छिपी होती है, जो आगे बढ़ना सिखाती है। सच्चाई यही है कि प्रसन्न मनुष्य सबसे अधिक ताकतवर होता है। मैसिलन के शब्दों में 'स्वास्थ्य व अच्छा मूड इन्सान के लिए वही हैं, जो पेड़–पौधों के लिए धूप। खुश रहना कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की सबसे महान कला है। जीवन में सफलता का आधार केवल मेहनत नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में उजाला देखने की आदत विकसित कर लेता है, वही जीवन की कठिनाइयों को अवसरों में बदल पाता है।

## संसदीय लोकतंत्र की बहस को नई दिशा

नीरज

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद में ऐसा गैर–सरकारी विधेयक पेश किया है जो भारतीय संसदीय लोकतंत्र की बहस को नई दिशा दे सकता है। हम आपको बता दें कि यह विधेयक सांसदों को पार्टी व्हिप के कठोर बंधन से मुक्त कर, उन्हें अधिकांश विधेयकों और प्रस्तावों पर स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति देने का प्रावधान करता है। मनीष तिवारी का प्रस्ताव है कि विश्वास और अविश्वास प्रस्ताव, वित्त विधेयक और सरकार की स्थिरता से जुड़े मुद्दों को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर सांसदों को अपने विवेक, अपने निर्वाचन क्षेत्र की प्राथमिकताओं और सामान्य समझ के आधार पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता हो। मनीष तिवारी का तर्क है कि आज की संसदीय प्रक्रिया में सांसद अक्सर अपनी पार्टी की आधिकारिक लाइन के दबाव में मतदान करने को मजबूर होते हैं, चाहे उनके निर्वाचन क्षेत्र की जनता का हित इससे मेल खाता हो या नहीं। उनके शब्दों में, "पार्टी व्हिप के चलते प्रतिनिधि का कोई महत्व नहीं रह जाता, उसे सोचने और कार्य करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।" हम आपको बता दें कि मनीष तिवारी बार–बार यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि क्या लोकतंत्र में प्राथमिकता उस मतदाता की होनी चाहिए जो नेताओं को चुनने के लिए घंटों धूप में खड़ा होता है, या उस राजनीतिक दल की जिसके निर्देशों का पालन करने को सांसद बाध्य हो जाते हैं? देखा जाये तो मनीष तिवारी का यह विधेयक नया नहीं है, उन्होंने 2010 और 2021 में भी इसी प्रकार का प्रस्ताव रखा था। लेकिन समय बदलने के साथ इसका महत्व और बढ़ गया है। हम आपको बता दें कि भारत की संसद में व्हिप की व्यवस्था मूलतः दल–बदल रोकने और सरकार की स्थिरता बनाए रखने के लिए बनी थी, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि यह व्यवस्था सांसदों को मात्र संख्या बल का हिस्सा बना देने का साधन है। ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव संसदीय गरिमा और स्वतंत्र विचार की पुनर्स्थापना की मांग करता है। हम आपको बता दें कि इस विधेयक में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सांसद की

सदस्यता केवल उन्हीं मामलों में समाप्त होनी चाहिए जहां सरकार के अस्तित्व या वित्तीय मसलों पर पार्टी लाइन से विचलन हो। बाकी मामलों में स्वतंत्र मतदान से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी, क्योंकि कानून–निर्माण तभी गुणवत्तापूर्ण हो सकता है जब सांसद अपने व्यक्तिगत और क्षेत्रीय अनुभवों के आधार पर विचार रख सकें। मनीष तिवारी ने 10वीं अनुसूची में संशोधन की जरूरत पर भी जोर दिया है, ताकि यह आज के राजनीतिक संदर्भ में अधिक प्रासंगिक बन सके। उनका सुझाव है कि 10वीं अनुसूची से जुड़े मामलों की सुनवाई एक न्यायिक अधिकरण करे और अपील की प्रक्रिया स्पष्ट समयसीमा के भीतर पूरी हो। दूसरी ओर, मनीष तिवारी के इस विधेयक को समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि वह स्वयं किस प्रकार की राजनीतिक भूमिका निभाते रहे हैं। हम आपको बता दें कि वह कांग्रेस पार्टी के उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने समय–समय पर आधिकारिक रुख से हटकर अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त की है। उदाहरण के लिए अग्निपथ योजना के प्रति कांग्रेस का आधिकारिक रुख आलोचनात्मक रहा, मगर मनीष तिवारी ने सार्वजनिक रूप से उसकी तारीफ की थी और उसे एक सुधारवादी कदम बताया था। यह साहस किसी भी बड़े दल में असहमति के सीमित दायरे को देखते हुए उल्लेखनीय है। इसी प्रकार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद मनीष तिवारी उस सरकारी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने जो विदेश गया था। विपक्षी दल के सांसद का ऐसी आधिकारिक भूमिका में शामिल होना दर्शाता है कि मनीष तिवारी न केवल एक धारा के भीतर चलने वाले नेता हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर भी एक स्वतंत्र व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते हैं। साथ ही, मनीष तिवारी कांग्रेस के जी–23 समूह का हिस्सा रहे हैं। यह वह समूह था जिसने कांग्रेस नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया, संगठनात्मक चुनावों और आंतरिक लोकतंत्र पर गंभीर सवाल उठाए थे। जी–23 का गठन ही इस बात का संकेत था कि कांग्रेस जैसे बड़े दल में भी कई वरिष्ठ नेता अधिक पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया की मांग कर रहे थे।

इस परिप्रेक्ष्य में मनीष तिवारी का विधेयक केवल तकनीकी संशोधन का मामला नहीं हैय यह भारतीय राजनीति में एक व्यापक सिद्धांत यानि सांसद का विवेक बनाम पार्टी अनुशासन, पर बहस का निमंत्रण है। सवाल उठता है कि यदि सांसद जनता की ओर से चुने जाते हैं, तो उन्हें हर मुद्दे पर कठोर पार्टी लाइन के अनुरूप मतदान क्यों करना चाहिए?

बहरहाल, आज जब राजनीतिक दलों में नेतृत्व केंद्रीकरण बढ़ रहा है और संसदीय बहस कई बार औपचारिकता भर रह जाती है, ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। यह संसद को फिर से विचार, विमर्श और स्वतंत्र राय का मंच बनाने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। आगे यह विधेयक पास हो या न हो, पर यह बहस अवश्य शुरू करता है दलों के लिए या जनता और उनके प्रतिनिधियों के लिए? वैसे यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों को उन विषयों पर विधेयक पेश करने की अनुमति है, जिन पर उन्हें लगता है कि सरकार को कानून लाना चाहिए। हालांकि कुछ मामलों को छोड़कर, सरकार के जवाब के बाद ज्यादातर निजी विधेयक वापस ले लिए जाते हैं।

## बांग्लादेश में फिर से हिन्दू की हत्या

संजय

बांग्लादेश के रांगपुर में 1971 के मुक्ति संग्राम के वीर योद्धा जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी सुबर्णा रॉय की गला रेतकर हत्या ने जनमानस के मन–मस्तिष्क को झकझोर दिया है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह केवल एक सनसनीखेज आपराधिक घटना है या फिर यह उस गहरी बीमारी का लक्षण है जिसने बांग्लादेश की आत्मा को भीतर तक खोखला कर दिया है? 75 वर्ष के एक स्वतंत्रता सेनानी की इस तरह घर में बेरहमी से हत्या होना किसी भी समाज के लिए शर्म की बात है, लेकिन बांग्लादेश के संदर्भ में यह घटना और भी भयावह इसलिए है क्योंकि यह उस सतत बढ़ते पैटर्न का हिस्सा है जिसमें अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा लगातार बिगड़ती जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, सुबह जब पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो वह सीढ़ी लगाकर भीतर गए, जहाँ पति का शव डाइनिंग रूम में और पत्नी का शव रसोई में पड़ा था। दोनों के गले बेरहमी से काटे गए थे। न लूटपाट, न कोई विवाद, न कोई सुराग, केवल एक भयावह चुप्पी थी। पुलिस के पास न कोई संदिग्धा है, न कोई दिशा और न किसी तरह की प्रगति। यह एक अकेली घटना नहीं, बल्कि उस अव्यवस्था का प्रतिबिंब है जिसमें आज बांग्लादेश का प्रशासन पूरी तरह जकड़ा हुआ है। देखा जाये तो शेख हसीना को हटाने के बाद से बांग्लादेश में जो माहौल बना है, उसने अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर हिंदुओं, के जीवन को दहशत में बदल दिया है। मंदिर जलाने, हिंदुओं के घरों पर हमले, परिवारों का रातों–रात पलायन और अब स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या जैसे मामलों ने दुनिया को झकझोर दिया है। इन सब घटनाओं के बावजूद अंतरिम शासक मुहम्मद यूनुस चुप्पी साधे हुए हैं। सवाल उठता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के प्रति आखिर कब तक अपनी आँखें बंद रखेगी? देखा जाये तो यूनुस शासन वास्तव में उन इस्लामवादी ताकतों के सहारे टिका है जिन्होंने हमेशा से अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को चुनौती दी है। जमात–ए–इस्लामी जैसी कट्टरपंथी संगठन खुलकर सक्रिय हैं और उनके उभार का सीधा परिणाम हिंदुओं पर हमले, दहशत और अब टार्गेट किलिंग है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश का पुलिस ढांचा खुद अपंग हालत में है। 2024 के आंदोलन के दौरान जिस तरह पुलिस बल पर हमले हुए, उसके बाद आज तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। कई पुलिसकर्मी वापस ड्यूटी पर नहीं लौटे, कई मारे गए और कई लापता हैं। ऐसे में एक स्वतंत्रता सेनानी के दो बेटे जो खुद पुलिस में हैं, वह अपने माता–पिता की रक्षा तक सुनिश्चित नहीं कर सके तो फिर आम हिंदू परिवार किस पर भरोसा करे? हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने 2021 से अब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 3,582 मामले आधिकारिक तौर पर उठाए हैं। मानवाधिकार संगठन चेतावनी पर चेतावनी जारी कर रहे हैं। लेकिन ढाका के सत्ता–गलियारों में यह सब प्रोपेगेंडा कहकर खारिज कर दिया जाता है। बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। हर वर्ष हजारों परिवार पलायन कर रहे हैं और अब जब देश की स्वतंत्रता का प्रतीक व्यक्ति अपने ही घर में असहाय मारा जाता है, तो यह केवल अपराध नहीं, यह पूरे राष्ट्र के चरित्र पर प्रहार है। यह बताता है कि अब स्थिति केवल खराब नहीं, बल्कि नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की क्षमता रखता है? या क्या बांग्लादेश में ऐसा करने की इच्छा भी बची है? सवाल यह भी उठता है कि यदि एक मुक्ति–योद्धा भी सुरक्षित नहीं है।

# ..... विविध/स्वास्थ्य .....

## भारत की पांच जगहों पर ठंड की एंट्री नहीं, सर्दियों में मिलती है गर्म-गर्म धूप

सर्दियों में कड़कड़ाती ठंड और बर्फीली वादियों से दूर अगर सुनहरी धूप और कुछ गर्माहट का अहसास चाहते हैं तो भी भारत में कई विकल्प हैं। देश में कई ऐसे स्थान हैं जहां दिसंबर–जनवरी की सर्दी में धूप और गर्माहट को महसूस किया जा सकता है। ठंड की कंपकंपाती हवाओं से घबराकर रजाई में दुबके रहने की बजाय क्यों न इस बार ऐसी जगह चला जाए जहां दिसंबर–जनवरी में भी धूप आपके कंधों को प्यार से सहलाती रहे?

भारत में कुछ स्थान ऐसे हैं जो सर्दियों में भी गर्माहट से भरे रहते हैं। यहां न तो कोहरा दिखता है और न ही ठंडी हवाएं कपकपाने को मजबूर करती है, बस सुनहरी धूप और छुट्टियों का पूरा मजा मिलता है। इस लेख में जरिए सर्दी में गर्मी का एहसास दिलाने वाले भारत की शानदार जगहों के सफर पर चलें।

गोवा

सर्दियों की छुट्टी में गोवा जा सकते हैं। यहां समुद्र किनारे बैठकर सनबाथिंग का सबसे खूबसूरत अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। दिसंबर–जनवरी में गोवा का तापमान हल्का गर्म रहता है। सर्दी समुद्री तट पर बीच पार्टी के जोश, लहरों में नहाने और मस्ती करने के बीच का रोडा नहीं बनती है। यहां कैंडोलिम, बागा, कोलवा बीच घूमने जा सकते हैं। इस दौरान वॉटर स्पोर्ट्स और क्रूज नाइट का लुत्फ उठा सकते हैं। सामान्यतरू सर्दियों में भी यहां का तापमान 25 से 30 डिग्री सेल्सियस रहता है।

लक्षद्वीप

यह सूरज की गोद में बसी नीली दुनिया है, जहां कोई भी मौसम या महीना हो ठंड को एंट्री ही नहीं मिलती। सर्दियों में भी पानी गर्म, आसमान साफ और कोरल वर्ल्ड अपनी खूबसूरती पर होता है। लक्षद्वीप में आप स्नॉर्कलिंग, स्कूबा, मिनिकॉय और कवरत्ती भ्रमण के लिए जा सकते हैं।

अंडमान–निकोबार

सर्दियों में सबसे ट्रॉपिकल अनुभव के लिए अंडमान–निकोबार की यात्रा पर जा सकते हैं। यहां सर्दी में भी समुद्र के पानी में पैर डालकर घंटों बैठा जा सकता है। अंडमान–निकोबार में सर्दी सिर्फ कैलेंडर में मिलती है, मौसम में नहीं। अगर यहां आएं तो हैवलॉक बीच, जेल म्यूजियम, और ग्लास–बोट राइड का लुत्फ उठाएं।

जयपुर

धूप का सौंदर्य और राजस्थानी रॉयल्टी एक साथ अनुभव प्राप्त करने के लिए जयपुर जा सकते हैं। सर्दियों में हल्की–हल्की धूप में जयपुर के किले और हवेलियों का रोमांस कुछ और ही है। यहां ठंड तो होती है पर इतनी नहीं कि सैर में बाधा आए। जयपुर में आप आमेर फोर्ट, हवा महल, सिटी पैलेस और चौखी ढाणी घूमने जा सकते हैं।

कच्छ का रण

गुजरात के कच्छ में सफेद नमक पर सुनहरी धूप जब पड़ती है तो नजारा जादुई सा हो जाता है।

कहते हैं रण में सूरज ढलता नहीं, चमक जाता है। यहां सर्दियों में दिन में गर्माहट रहती है और रात में तारे साफ आसमान में टिमटिमाते नजर आते हैं। कच्छ के रण की सैर पर जाएं तो सर्दियों में लगने वाले रण उत्सव, ऊंट सफारी और टेंट स्टे का अनुभव भी जरूर प्राप्त करें।

## चीला नहीं, मूंग दाल से तैयार करें स्वादिष्ट पकौड़े

अगर आपको चीला खाना पसंद नहीं है या आप रोज–रोज एक ही तरह के स्नैक्स खाकर बोर हो गए हैं, तो मूंग दाल के कुरकुरे पकौड़े आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। इन्हें कई जगह मंगोड़े के नाम से भी जाना जाता है और खास बात ये है कि ये हर मौसम और हर मौके पर स्वाद का पूरा मजा दे देते हैं। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से मुलायम, ये पकौड़े चाय के साथ जब सर्दी के मौसम में परोसे जाएंगे तो इसका स्वाद हर किसी को खूब पसंद आएगा। मूंग दाल के पकौड़े हेल्दी और हल्के भी होते हैं, इसलिए इन्हें बच्चे से लेकर बड़े तक हर कोई खुशी से खा लेता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाना बेहद आसान है और सिर्फ कुछ बेसिक सामग्री में यह झटपट तैयार हो जाते हैं। तो चलिए बताते हैं आपको मूंग दाल के पकौड़ों की आसान रेसिपी, जिसे एक बार बनाने के बाद आप बार–बार ट्राई करना चाहेंगे।

मूंग दाल मंगोड़े बनाने का सामान

मूंग दाल – 1 कप (धोकर 2–3 घंटे भिगोई हुई)

हरी मिर्च – 2 बारीक कटी

अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस की हुई)

हरा धनिया – 2 टेबलस्पून

जीरा – 1/2 टीस्पून

लाल मिर्च पाउडर – 1/2 टीस्पून

नमक

तेल – तलने के लिए

मंगोड़े बनाने की विधि

अगर आप मंगौड़े बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले तो भीगी हुई मूंग दाल का पानी निकालकर उसे मिक्सर में मोटा–सा पीस लें। दाल का पेस्ट बहुत चिकना नहीं होना चाहिए ताकि पकौड़े कुरकुरे बनें। अब दाल के पेस्ट में हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, जीरा, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। चाहे तो इसमें कटी प्याज भी डाल सकते हैं, इससे पकौड़े और टेस्टी बनते हैं। कढ़ाही में तेल गरम होने के लिए रखें। तेल मध्यम आंच पर अच्छी तरह गरम होना चाहिए ताकि पकौड़े कम तेल सोखें। आखिर में अब मिश्रण का थोड़ा–थोड़ा हिस्सा हाथ या चम्मच से तेल में डालें। पकौड़ों को गोल्डन ब्राउन होने तक तलें।

तलते समय आंच मध्यम रखें ताकि अंदर से भी अच्छे पक जाएं। तैयार पकौड़े और मंगोड़ों को पेपर टॉवल पर निकालकर हरी चटनी, इमली चटनी या गर्मागर्म चाय के साथ परोसें। बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम ये पकौड़े हर किसी का दिल जीत लेंगे।

## कितने दिनों में काटने चाहिए नाखून ? जानें क्या है एक्सपर्ट्स की राय

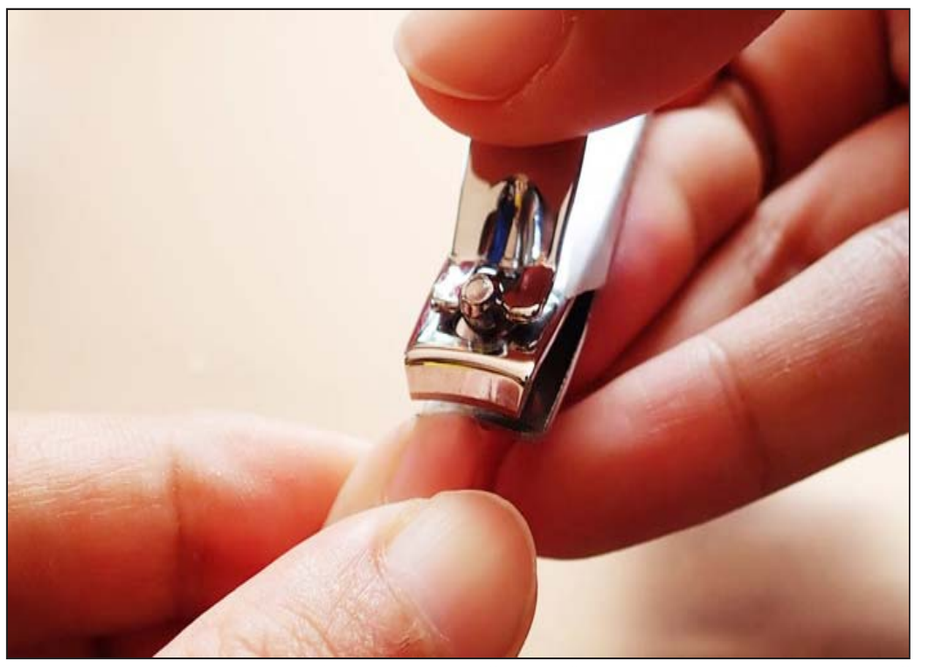

हमारे हाथ और पैर के नाखून न केवल सुंदरता का हिस्सा हैं, बल्कि सेहत का भी आईना हैं। सही समय पर नाखून काटना और उनकी सफाई रखना बहुत जरूरी है। बहुत लंबे या टूटी–फूटी नाखून न सिर्फ देखने में खराब लगते हैं, बल्कि बैक्टीरिया और फंगस के संक्रमण का भी खतरा बढ़ाते हैं। वहीं, हर दिन या बार–बार नाखून काटने से उनकी मजबूती कम हो सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि नाखून काटने का सही समय, उनकी ग्रोथ रेट और रोजमर्रा की गतिविधियों के हिसाब से तय किया जाना चाहिए। हाथों और पैरों के नाखून का नियमित ध्यान रखने से न केवल हाथ–पैर सुंदर दिखाई देते हैं, बल्कि संक्रमण और रोगों से बचाव भी होता है। जानिए कितने दिनों में नाखून काटना चाहिए और उन्हें हेल्दी रखने के आसान तरीके।

1. हाथों के नाखून कब काटें

हाथों के नाखून शरीर के अन्य नाखूनों की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं। स्वस्थ हाथों के लिए जरूरी है कि नाखून हर 7–10 दिन में काटे और फाइल किए जाएं। ऐसा करने से नाखून टूटने, छिलने या फटने की समस्या कम हो जाती है। इसके अलावा, हाथों के नाखूनों को समय–समय पर फाइल करना उनकी सतह को स्मूद बनाता है और हाथों की सुंदरता बढ़ाता है।

2. पैरों के नाखून कब काटें

पैर के नाखून हाथों की तुलना में धीरे बढ़ते हैं। इन्हें हर 2द्3 सप्ताह में काटना चाहिए। अगर पैरों के नाखून लंबे समय तक कटे नहीं रहेंगे, तो एम्बेडेड नाखून या फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। नियमित ट्रिमिंग से पैर स्वस्थ और संक्रमण–मुक्त रहते हैं।

3. नाखून काटने का सही तरीका

नाखून काटते समय हमेशा उन्हें सीधे काटें और कोनों को हल्का सा गोलाकार रखें।

इससे नाखून प्राकृतिक रूप से बढ़ते हैं और काटने के दौरान चोट या इन्फेक्शन का खतरा कम होता है। ध्यान रखें कि नाखून के अंदरूनी हिस्से को कभी न काटें, क्योंकि इससे दर्द और बैक्टीरिया का संक्रमण हो सकता है।

4. साफ–सफाई और मॉइस्चराइजिंग अवश्य करें

नाखून काटने के बाद उन्हें अच्छी तरह धोएं और सुखाएं। इसके बाद क्यूटिकल ऑयल या हैंडफ्रुट क्रीम लगाना नाखूनों को नमी देता है और उन्हें मजबूत बनाता है। मॉइस्चराइजिंग से नाखून टूटते नहीं हैं और स्वस्थ दिखाई देते हैं।

5. अतिरिक्त टिप्स

अगर आपके नाखून कमजोर या पतले हैं, तो बायोटिन सप्लीमेंट्स और संतुलित आहार लें।

प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स युक्त भोजन नाखूनों की मजबूती बढ़ाते हैं। नियमित नेल केयर और साफ–सफाई से नाखून न केवल सुंदर रहते हैं, बल्कि बैक्टीरिया और संक्रमण से भी सुरक्षित रहते हैं।

# प्रदेश में अभी चुनाव नहीं, एसआईआर का बढ़े समय...बैलेट पेपर से हो मतदान - मायावती

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का उनकी पार्टी विरोध नहीं करती है, लेकिन इसकी समय सीमा बेहद कम है। इसकी वजह से बीएलओ दबाव में हैं। कई अपनी जान भी गवां चुके हैं। जहां करोड़ों मतदाता हैं, वहां बीएलओ को उचित समय मिलना चाहिए। खासकर यूपी में, जहां जल्द कोई चुनाव नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यूपी में करीब 15.40 करोड़ मतदाता हैं। एसआईआर का कार्य जल्दबाजी में करने का नतीजा होगा कि अनेकों वैध–मतदाता खासकर गरीब और काम करने बाहर गए लोगों का नाम मतदाता सूची में नहीं दर्ज हो पाएगा। यह वोट डालने के संवैधानिक अधिकार से वंचित कर देगा, जो अनुचित होगा। लिहाजा समय सीमा बढ़नी चाहिए। वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि जिन प्रत्याशियों का कोई भी आपराधिक इतिहास है, उन्हें अपने हलफनामे में इसका ब्योरा देना होगा। जिस दल से चुनाव लड़ रहे हैं, उसे भी इसकी सूचना राष्ट्रीय अखबारों में प्रकाशित करानी होगी। बसपा का मत है कि जिस व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया जाता है, उनमें से कुछ अपना आपराधिक इतिहास पार्टी को नहीं बताते हैं। ऐसे प्रत्याशियों के संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरी करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर डालनी चाहिए। आगे यदि मालूम होता है कि किसी प्रत्याशी ने अपना आपराधिक इतिहास छुपाया है तो पार्टी की जगह उसे ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बैलेट पेपर से हो चुनाव

उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव प्रक्रिया में सभी का पूर्ण रूप से विश्वास पैदा करने के लिए ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से ही मतदान की प्रक्रिया लागू की जाए। अगर किसी वजह से ऐसा अभी नहीं किया जा सकता है तो कम से कम वीवीपैट में जो वोट डालते समय पर्ची गिरती है, उन सभी पर्चियों की गिनती सभी बूथों में करके ईवीएम के वोटों से मिलान किया जाये। बैलेट पेपर से वोटिंग कराने पर अधिक समय लगने का चुनाव आयोग का तर्क उचित नहीं है। अगर सिर्फ कुछ और घंटे वोटों की गिनती में लगते हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिये।

# पड़ने लगी ठिठुरने वाली सर्दी, हर दिन गिर रहा पारा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। प्रदेश में चल रही गलन भरी पछुआ हवा ठिठुरन बढ़ा रही है, तो वहीं तराई के इलाकों में घने कोहरे की वजह से लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल दो–तीन दिनों तक रात में पारे का गिरना और तराई इलाकों में सुबह शाम कोहरे का प्रकोप जारी रहेगा। मंगलवार को सुबह प्रदेश के तराई में कोहरे की घनी चादर छाई रही और कुशीनगर में दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। वहीं बहराइच में दृश्यता 50 मीटर और गोरखपुर में 100 मीटर दर्ज हुई। मंगलवार को 6.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बरेली सबसे ठंडा रहा। वहीं अयोध्या में रात का तापमान 7 डिग्री और अमेठी में 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में बुधवार से विक्षोभ का असर खत्म जाएगा और अच्छी धूप खिलेगी। ठंडी पछुआ के असर से प्रदेश में अगले दो दिनों में रात के पारे में 2 डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं। वहीं धूप खिलने से दिन के पारे में मामूली बढ़त आ सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में पारे में क्रमशः गिरावट जारी रहेगी। इस बीच लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई इलाकों में छिटपुट बादलों की मौजूदगी रहेगी। फिलहाल उत्तर प्रदेश में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के असर से कहीं कहीं बादलों की आवाजाही रहेगी।

## संक्षिप्त खबरें

### 41,424 पदों पर होमगार्ड भर्ती के लिए आए सात लाख से अधिक आवेदन

लखनऊ, संवाददाता। होमगार्ड स्वयंसेवकों के 41,424 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए सात लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 दिसंबर है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अधिकारियों को अंतिम दिन तक 20 लाख से अधिक आवेदन मिलने की उम्मीद है। बोर्ड द्वारा बीती 18 नवंबर को होमगार्ड स्वयंसेवकों के रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। साथ ही, वन टाइम रजिस्ट्रेशन को भी अनिवार्य किया गया था। होमगार्ड बनने के लिए अभ्यर्थियों द्वारा खासा उत्साह भी दिखाया जा रहा है। बोर्ड द्वारा ऑनलाइन आवेदन लेने के बाद लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को शारीरिक मानक परीक्षा, दस्तावेजों के परीक्षण के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा देनी होगी। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों की जिलेवार मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

### सड़क किनारे पड़ा मिला बुजुर्ग महिला का शव

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज मे अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव सड़क किनारे मिलने से हड़कंप मच गया। लोगों ने बताया कि सुबह एक युवक बुजुर्ग के साथ था लेकिन अब गायब है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। मंगलवार की सुबह लगभग साढे आठ बजे कस्बा मोहनलालगंज में मोहनलालगंज–गोसाईगंज मार्ग के किनारे सत्तर वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात बुजुर्ग महिला के शव व उसके पास मिले झोले की तलाशी ली लेकिन उसकी पहचान नही हो सकी। शव पर जाहिराना चोट के निशान नहीं हैं। लोगों ने बताया कि सुबह आठ बजे के लगभग बुजुर्ग के साथ एक युवक मौजूद था लेकिन बुजुर्ग की मौत के बाद वह गायब हो गया। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक संभवतः हार्ट अटैक से बुजुर्ग की मौत हुई होगी। पुलिस बुजुर्ग की शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

### रात में शराब पीकर हंगामा–हुड़दंग करने वालों पर पुलिस ने चलाया डंडा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में रात के वक्त सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने वालों, नशे में हंगामा व हुड़दंग करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सोमवार रात अभियान चलाया। इस दौरान 1,123 लोगों को सड़कों पर शराब पीते व हंगामा करते पकड़ा गया। सभी आरोपियों का चालान किया गया है। जेसीपी एलओ बबलू कुमार के मुताबिक, इस बात की लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शहर में कुछ जगहों पर रात के वक्त खुले में शराब पीकर लोग हंगामा करते हैं। इसकी वजह से आम लोगों को दिक्कत होती है। कानून–व्यवस्था के लिए भी खतरा पैदा होता है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सोमवार रात शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। उत्तरी जोन में 484 लोगों की जांच की गई जिसमें 115 लोगों का पुलिस ने चालान किया।

# लगातार दूसरे दिन लिवइन में रह रहे एक और पार्टनर की मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के बीबीडी के सलारगंज शिवम ग्रीन सिटी में लिवइन पार्टनर की हत्या के बाद विकासनगर में एक और लिवइन पार्टनर की मौत का मामला सामने आया है। विकासनगर के सेक्टर–1 में किराये के मकान में रहने वाली मेकअप आर्टिस्ट नेहा मौर्य (24) का शव सोमवार रात घर में फंदे से लटका मिला। लिवइन पार्टनर अजीत उन्हें ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचा, जहां मृत घोषित कर दिया गया। नेहा के पिता ने पुलिस से जांच की मांग की है। मूल रूप से बहराइच के मूर्तिहा गंगापुर निवासी नेहा एक वर्ष से किराये के मकान में रह रही थीं। वह हजरतगंज स्थित एक सैलून में मेकअप आर्टिस्ट थीं। पिता सत्यनारायण मौर्य का कहना है कि सोमवार रात करीब 11 बजे उनके गांव के अजीत मौर्य ने फोन कर बताया कि नेहा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। वह उसे ट्रॉमा सेंटर ले जा रहे हैं। कुछ देर बाद परिजनों को पता चला कि नेहा की मौत हो गई है।

खबर पाकर नेहा के परिजन लखनऊ पहुंच गए। मामला संदिग्ध देख डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया।

घरवालों को नहीं थी लिवइन रिलेशन की जानकारी

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद सत्यनारायण मौर्य ने बताया कि अजीत डीजे का काम करता है। उनकी बेटी उसके साथ लिवइन में थी, इसकी घरवालों को जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि अजीत शादीशुदा है। उसकी पत्नी व दो बच्चे गांव में रहते हैं। अजीत ने सत्यनारायण को बताया कि उसने मंदिर में नेहा से शादी की थी। पिता ने बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जताई है। अजीत का कहना है कि वह सोमवार रात नेहा को सैलून से घर लेकर आया। कुछ देर बाद वह सब्जी खरीदने चला गया। थोड़ी देर बाद लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

इसके बाद दरवाजा तोड़ दिया। कमरे में नेहा पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी थी। एसओ विकासनगर आलोक सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की सही वजह का पता चलेगा।

# प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा का परिणाम जारी, तीन साल तक के लिए वैध होगा परिणाम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में समूह ग की भर्तियों के लिए जरूरी योग्यता परीक्षा प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (पीईटी) का परिणाम मंगलवार देर शाम जारी कर दिया गया। खास यह कि इस साल हुई परीक्षा का परिणाम तीन साल तक के लिए वैध होगा। जो अभी तक मात्र एक साल के लिए वैध हुआ करता था। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से जारी पीईटी का परिणाम एक साल तक ही मान्य रहा करता था। इसकी वजह से वर्तमान साल में कई नई भर्तियों का विज्ञापन नहीं जारी किया जा सका है। यही वजह है कि आयोग की मांग पर शासन ने अप्रैल में शासनादेश जारी कर इसके परिणाम को तीन साल के लिए मान्य किया था। इस परिणाम के जारी होते ही कई नई भर्तियों का विज्ञापन जारी होगा। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से छह व सात सितंबर को प्रदेश के 48 जिलों के 1479 परीक्षा केंद्रों का आयोजन किया गया था। इसमें पंजीकृत कुल 25 लाख 31 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी थे। जबकि परीक्षा में 19 लाख 43 हजार से अधिक शामिल हुए थे। परीक्षा में 05 लाख 88 हजार अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। जबकि 41 अभ्यर्थियों ने अपनी ओएमआर शीट में क्रमांक दर्ज नहीं किया गया था।

आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना ने बताया कि 517 अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र अधीक्षक द्वारा लिखित परीक्षा के लिए औपबंधिक प्रवेश दिया गया था। वहीं 44 अभ्यर्थी नकल में पकड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि लिखित परीक्षा का परिणाम आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी आवश्यक प्रविष्टि दर्ज कर अपना परिणाम देख सकते हैं। यह आयोग के मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है।

# एसआईटी सुपर स्टाकिस्ट के ठिकानों से शुरू करेगी छानबीन, राज्य स्तरीय एसआईटी जल्द होगी गठित

लखनऊ, संवाददाता। एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा तैयार की गई इनकी सूची मंगलवार को शासन को सौंप दी गई है। इसमें उन सुपर स्टॉकिस्ट के नाम हैं, जो एबॉट कंपनी के फेंसेड्रिल सिरप की खरीद–फरोख्त कर रहे थे। इसके जरिये ही एसआईटी की जांच की दिशा तय होगी। सूत्रों की मानें तो शासन को दी गई रिपोर्ट में लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, नोएडा, मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज, बरेली आदि जिलों में फेंसेडिल सिरप का थोक कारोबार करने वाले व्यापारियों के नाम भी दिए गए हैं। ये सभी जांच के दायरे में भी हैं। दरअसल, एबॉट कंपनी द्वारा सिरप का उत्पादन करने के बाद दिल्ली के वान्या इंटरप्राइजेज के वेयरहाउस में स्टोर किए जाते थे। यह लैबोरेट फार्मा का कैरी एंड फारवर्ड यूनिट भी है, जो एस्कफ कफ सिरप का उत्पादन करती है। गाजियाबाद में बीती 4 नवंबर को चार ट्रक सिरप पकड़ा गया था, उसमें 850 पेटी एक्सफ सिरप और 300 पेटी फेंसेडिल सिरप की थीं। ये सभी नशे के लिए गुवाहाटी तस्करी की जा रही थीं।

कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी

कफ सिरप सिंडीकेट की गहनता से जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंपनी की इन करतूतों के बाद कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही कंपनी को नोटिस भेजकर सिंडीकेट की फर्मों को सिरप की आपूर्ति का आर्डर देने वाले अधिकारियों से जवाब–तलब किया जाएगा। दरअसल, कंपनी द्वारा विभोर राणा के करीबी अभिषेक शर्मा की दिल्ली की फर्म एबी फॉर्मास्युटिकल्स और शुभम जायसवाल की रांची की फर्म शैली ट्रेडर्स को दिया जाने वाला फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी कर बांग्लादेश भेजा जा रहा था। इसकी पुष्टि पुलिस की जांच में हो चुकी है। इस सिरप का निर्माण हिमाचल प्रदेश के बद्दी में कंपनी द्वारा किया जा रहा था, जिसका उत्पादन दिसंबर, 2024 से बंद कर दिया गया था। ईडी के अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि कंपनी ने बीते 10 वर्षों में कितने सुपर डिस्ट्रीब्यूटर बनाए थे। कंपनी ने किन लोगों को कफ सिरप बनाने का काम सौंपा था। दरअसल, कई जगहों पर छापों के दौरान सामने आया है कि छोटे परिसरों में भी अवैध तरीके से कफ सिरप बनाया जा रहा था। गाजियाबाद में तो पेंट की दुकान में इसकी फैक्ट्री मिली थी।

तीसरा सीए भी ईडी के रडार पर

इस प्रकरण में सिंडीकेट की मदद करने वाले तीन चार्टर्ड अकाउंटेंट ईडी के रडार पर आ चुके हैं। वाराणसी के तुषार, विष्णु अग्रवाल के साथ अरुण सिंघल का नाम भी जांच के दायरे में आ चुका है। तुषार और विष्णु अग्रवाल पूर्वांचल में तस्करों की फर्मों का हिसाब–किताब देख रहे थे तो अरुण सिंघल सहारनपुर के विभोर राणा और उसके करीबियों की फर्मों का लेखा–जोखा संभाल रहा था। इन सभी ने फर्मों के अकाउंट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की, जिससे वह जांच एजेंसियों की नजर में नहीं आ सके।

साल भर में महज एक बैठक

प्रदेश में नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए शासन भी संजीदा नहीं दिखा। बीते वर्ष जहां नशे के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होने वाली एनकॉर्ड की चार बैठकों का आयोजन किया गया था, तो वहीं हालिया वर्ष में केवल एक बैठक ही हो सकी।

### एसपी सिटी ने किया कोतवाली नगर परिसर का निरीक्षण

अयोध्या मंगलवार को एसपी सिटी चक्रपान त्रिपाठी ने कोतवाली नगर परिसर का निरीक्षण कियासनिरीक्षण के दौरान उन्हें परिसर के अंदर कई कमियां मिलीसजिसमें खास कर गंदगी को देखकर उन्होंने वहां पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को इसे शीघ्र से शीघ्र दूर करने का निर्देश दियासनिरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि कोतवाली नगर परिषद में इधर–उधर वाहनों को एक जगह खड़ा कराया जाए और साथ ही साथ कोतवाली परिसर को स्वच्छ बनाया जायस इस मौके पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने थाने के अभिलेखों, कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, भोजनालय, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क, कारागार, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख–रखाव,आजीआरएस प्रार्थना पत्र का त्वरितध गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के संबन्ध में संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

## संक्षिप्त खबरें

### बालागंज में नई सड़क बनी इलाके लोगों के लिए परेशानी

लखनऊ, संवाददाता। बालागंज वार्ड में करीब बीस दिन पहले लापरवाही से बनाई गई सड़क लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सड़क बनाते समय सीवर चौंबर ढंक दिए गए हैं। ऐसे में सीवर लाइन चोक होने के बाद सफाई का काम नहीं हो पा रहा है और सीवर लोगों के घरों में उफना रहा है। पूर्व पार्षद पंकज पटेल ने बताया कि वार्ड में गोशाला रोड का निर्माण करीब 20 दिन पहले ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की ओर किया गया है। सड़क बनाते समय सीवर के सारे मैन होल के चौंबर बंद कर दिए गए हैं। जिससे सीवर सफाई का काम नहीं हो पा रहा है और एक सप्ताह से चोक सीवर के कारण इलाके के लोग परेशान हैं। इसको लेकर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से कई बार कहा गया है मगर उन लोगों ने लापरवाही की और सीवर चौंबर ढंक दिए। चौंबर न ढंके जाएं इसको लेकर पहले ही इंजीनियरों से कहा गया था इसका ध्यान रखा जाए मगर ध्यान नहीं दिया गया। अब बिना चौंबर खोलने के लिए फिर नई सड़क खराब होगी। विभाग से मांग है कि वह चौंबर को खोले और उनका लेबल सड़क के बराबर करे ताकि समस्या दूर हो सके।

### कोल्डड्रिंक समझकर बच्चे ने पी लिया कीटनाशक, मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के चिनहट में शनिवार छह दिसंबर को तीन वर्ष के कृष्णा ने कोल्डड्रिंक समझकर कीटनाशक पी लिया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सीतापुर निवासी मजदूर रिंकू तकरोही स्थित डूडा कॉलोनी में पत्नी गीता, तीन बेटों व एक बेटी के साथ रहते हैं। उनके मुताबिक छह दिसंबर को वह काम पर गए थे। घर में पत्नी व बच्चे थे। दोपहर में छोटे बेटे कृष्णा ने कमरे में रखे कीटनाशक को कोल्डड्रिंक समझकर पी लिया। पत्नी ने उसे उल्टी करते देखा तो घबरा गईं। इसके बाद उन्होंने रिंकू को जानकारी दी। आनन–फानन घर पहुंचे रिंकू ने बेटे को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

### सीमैप की मदद से बढ़ेगी बिहार के किसानों की आय

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान में मंगलवार से चार दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। इस दौरान यहां कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण के सहयोग से बिहार राज्य के सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जिलों के चयनित लगभग 42 किसानों को यहां औषधीय और सगंध पौधों की खेती, प्रसंस्करण व विपणन तकनीकियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। एरोमा मिशन के परियोजना समन्वयक और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में किसानों को वैज्ञानिक तकनीक और उन्नत पौध सामग्री को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे वो वैश्विक गुणवत्ता का उत्पादन कर और बेहतर लाभ कमा सकेंगे। डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिभागी किसानों को नींबूघास, पामारोजा, तुलसी और जिरेनियम जैसे औषधीय एवं सगंध पौधों की आधुनिक खेती, प्रसंस्करण और भंडारण तकनीकों के बारे में बताया।

# 30 हजार शिक्षामित्रों को अपने घर जाने का मिलेगा मौका

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में शिक्षामित्रों की लंबे समय से चल रही मूल विद्यालय वापसी की उम्मीद इस जाड़े की छुट्टियों में पूरी होती दिख रही है। शासन ने मंगलवार को शिक्षामित्रों के मूल विद्यालय वापसी का आदेश जारी कर दिया। इससे लगभग 30 हजार शिक्षामित्रों को अपने घर जाने का मौका मिलेगा। इसका सर्वाधिक लाभ महिला शिक्षामित्रों को मिलेगा। वे अपने वर्तमान तैनाती स्थल या अपने पति के घर की ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, वार्ड में तैनाती पा सकेंगी। बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव अवधेश कुमार तिवारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पहले शिक्षामित्रों से एक निर्धारित प्रारूप पर जानकारी ली जाएगी। इसके आधार पर जो शिक्षामित्र अपनी वर्तमान तैनाती स्थल पर रहना चाहते हैं, उनके विकल्प पर किसी कार्यवाही की जरूरत नहीं होगी। जो पुरुष या अविवाहित महिला शिक्षामित्र अपने मूल तैनाती विद्याल का विकल्प देते हैं, वहां पद खाली है तो उनकी तैनाती कर दी जाएगी।

मूल तैनाती स्थल पर जगह खाली नहीं

जहां मूल तैनाती स्थल पर जगह खाली नहीं है, उनको मूल विद्यालय की ग्राम सभा, ग्राम पंचायत या वार्ड में किसी विद्यालय में पद खाली होने पर तैनात कर दिया जाए। उन्होंने तीन जनवरी को जारी शासनादेश का हवाला देते हुए कहा है कि इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति प्रक्रिया पूरी करेगी। इसमें सीडीओ, डायट प्राचार्य, बीएसए व सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी सदस्य होंगे। बता दें कि शिक्षामित्रों के समायोजन व मूल विद्यालय तबादले के लिए तीन जनवरी को शासनादेश जारी किया गया था। 12 जून को इसके क्रियान्वयन के लिए दिशा–निर्देश भी जारी किए गए थे। किंतु विभाग इसका अनुपालन सुनिश्चित नहीं करा सका है। जबकि इसकी प्रक्रिया शुरू न करने पर हाल ही में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ने आंदोलन की चेतावनी दी थी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला ने शासन का आभार जताते हुए कहा कि इस कवायद से लगभग 30 हजार शिक्षामित्र प्रभावित होंगे। जिनको अपने घर के पास जाने का मौका मिल जाएगा। विभाग जिला स्तर पर जल्द इसकी प्रक्रिया शुरू कराए।

विशेष सचिव ने पूर्व में जारी निर्देश का हवाला देते हुए कहा है कि हर विद्यालय में अधिकतम दो शिक्षामित्र रह सकते हैं। नक्सल प्रभावित विद्यालयों में अधिकतम तीन शिक्षामित्र रह सकते हैं। इसी आधार पर विभाग की ओर से रिक्तियों की गणना की जाएगी। फिर शिक्षामित्रों का समायोजन किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि शिक्षामित्रों के समायोजन की प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में मूल विद्यालय में पद खाली रहने पर व पास के विद्यालय में तबादले के इच्छुक शिक्षामित्रों को मौका मिलेगा। इसके बाद दूसरे चरण में समायोजन होंगे। दूसरे चरण के लिए अलग से दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे।

# चार महीने बाद टेढ़ी पुलिया के पास सड़क मरम्मत का काम शुरू

लखनऊ, संवाददाता। करीब चार महीने बाद टेढ़ी पुलिया के पास सीवर के कारण धंसी सड़क की मरम्मत का काम मंगलवार को शुरू हो गया। निजी कंपनी सुएज इंडिया की टीम मरम्मत काम काम रही है। मरम्मत कार्य में देरी को लेकर निजी कंपनी की ओर से सफाई भी दी गई है।

टेढ़ीपुलिया के पास सर्विस रोड के किनारे पर सड़क एक बड़ा हिस्सा 27 सितंबर को धंस गया था। इसके बाद सुरक्षा के लिहाज से उसको ग्रीन नेट लगाकर ढंक तो दिया मगर उसको सही नहीं किया गया। इसके कारण आवागमन में बाधा हो रही थी। जिसको लेकर स्थानीय लोग और आने वाले इसको जल्द ठीक किए जाने की मांग भी कर रहे थे। पार्षद राघवराम तिवारी की ओर से इसको लेकर कई बार मांग गई। जिसके बाद अब मरम्मत का काम शुरू हुआ है। निजी कपंनी सुएज के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने बताया कि मरम्मत का कार्य पूरी सुरक्षा मानकों के साथ शुरू कर दिया गया है।गड्ढा काफी गहरा है इसलिए टीम सुरक्षा उपकरणों के साथ कार्य कर रही है। उम्मीद है कि मरम्मत कार्य एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा।

काम में देरी को लेकर कंपनी की सफाई

सीवर लाइन मरम्मत कार्य में देरी को लेकर निजी कंपनी की ओर से यह सफाई दी गई कि विकास नगर में सीवर लाइन को मजबूत करने का काम जल निगम करा रहा है। जिसके लिए उसने सीवर के पानी को रोका था।

इस कारण मरम्मत का काम शुरू नहीं किया जा पा रहा था। इसके अलावा काम करने के लिए यातायात विभाग से अनापत्ति लेकर ट्रैफिक डायवर्ट करना था और लोक निर्माण विभाग से भी अनापत्ति ली जानी थी क्योंकि सड़क लोक निर्माण विभाग की है। यह सब प्रक्रिया पूरी करने में भी समय लगा। इसके कारण मरम्मत कार्य में देरी हुई।

### दो बहनों ने बिजली कर्मचारियों को दौड़ाया...थाने में किया हंगामा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में पारा के हंसखेड़ा स्थित गायत्रीपुरम कॉलोनी में सोमवार दोपहर नए मकान पर बिजली कनेक्शन जोड़ने पहुंचे बिजलीकर्मियों को महिला हिमांशी यादव और उसकी बहन आरती ने गाली–गलौज करते हुए ईंट–पत्थर लेकर दौड़ा लिया। आरोप है कि दोनों पहले से लगे पोल से कनेक्शन देने के लिए व्यापारी से 80 हजार रुपये मांग रहीं थीं। घबराए बिजलीकर्मी बिना काम किए लौट गए। इसके बाद थाने पहुंचकर दोनों बहनों ने हंगामा किया। पुलिस ने हिमांशी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गायत्रीपुरम निवासी व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री हिमांशु कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्होंने 19 नवंबर को कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था और विभाग का एस्टीमेट भी जमा कर दिया था।

# कारपेंटरों के सम्मेलन में देश भर से जुटे कारीगर एक शाम कारपेंटरों के नाम।

देश की उपासना
मुम्बई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा

मुंबई। मालाड (पश्चिम) के स्वामी विवेकानंद रोड पर स्थित दुर्गा देवी सर्राफ हॉल में कारपेंटर्स वेलफेयर असोसिएशन की ओर से आयोजित वार्षिक समारोह एक शाम कारपेंटरों के नाम में मुंबई सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी को भाजपा, मुंबई का महामंत्री नियुक्त किए जाने पर पारंपरिक विधि–विधान और गरिमा के साथ सम्मानित किया गया. सभागार में उपस्थित समाज के सदस्यों और गणमान्य लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए आचार्य पवन त्रिपाठी ने केंद्र व राज्य में भाजपा नेतृत्व की उपलब्धियों को उजागर किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के

नेतृत्व में राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और विकास कार्य दोनों अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे हैं. आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने समाज से अपील की कि कमल खिलाने की जिम्मेदारी आप सबके कंधों पर है. उन्होंने आगे कहा कि कुछ ताकतें समाज को जात–पांति के नाम पर बांटना चाहती हैं, लेकिन हमें गर्व से, एकजुट हिन्दू समाज बनकर, उनके नकारात्मक प्रयासों का सामना करना चाहिए. उन्होंने कहा कि भावन में दरवाजे से लेकर किचन आदि स्थानों पर फर्नीचर बनाकर घर की सुन्दरता बढ़ाने में मुख्य भूमिका विश्वकर्मा समाज के लोगों का रहा है।कारपेंटरों के भविष्य को देखते हुए कहा कि अपने साथ जिहादियों को इस प्रोफेशन में लाकर। आप अपने भविष्य को अन्धकार की ओर ले जा रहे हैं। आने वाला समय आपके बच्चों का भविष्य अंधकार की तरफ बढ़ता जा रहा है। आयोजक कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगाराम विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, संस्था के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि फर्नीचर निर्माण में बाद बदलाव आया है. कंपीटिशन के दौर में कारपेंटर भाइयों को भी नई तकनीकी और उत्पाद के साथ आगे बढ़ना होगा. इस अवसर पर पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा, आदित्य दुबे, राधेश्याम डी विश्वकर्मा,मोतीलाल एम विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे. ओजोन, एरिस्टो, कुमी और यूरो प्रायोजित कार्यक्रम में लोकगायक सुरेश शुक्ल और उनके सहयोगी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समारोह को जीवंत बना दिया। सुरों और तालियों के बीच शाम की ठंडी हवा में उत्साह की गर्माहट फैल गई। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने किया. समारोह में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया. ।

# पीस कमेटी की बैठक मे सीओ सदर ने लोगों से शांति कायम करने का दिलाया भरोसा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रौनाही थाने पर मंगलवार को सीओ सदर अरविंद कुमार सोनकर की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व ग्राम प्रधानों ने कानून व्यवस्था से संबंधित अपनी अपनी समस्याएँ रखीं।इस मौके पर सीओ सदर श्री सोनकर आगामी ग्राम प्रधानी चुनाव को देखते हुए सभी से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी विवाद की सूचना पहले बीट प्रभारी व थाने को दें।

संतोषजनक कार्रवाई न होने पर सीधे उन्हें अवगत कराएं।सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश समाधान अवश्य कराया जाएगा।बैठक में सभासद फरीद अहमद ने मारपीट के मामलों में घायल व आरोपी दोनों को 151 में चालान करने की प्रक्रिया को अधूरा न्याय बताया, जबकि अशोक मिश्रा ने सत्ती चौरा चौकी के पास बड़ागांव मार्ग पर ई–रिक्शा खड़े होने से होने वाले जाम व दुर्घटना की आशंका पर चिंता व्यक्त की।कमाल अहमद इमरान ने सोहावल चौराहा अंडरपास पर लगने वाले भीषण जाम की समस्या उठाई।इस मौके पर थानाध्यक्ष लालचंद सरोज और सीओ सदर अरविन्द सोनकर ने जनता द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण की बात कही।बैठक में ढयोडी चौकी प्रभारी देवेंद्र नाथ राय, उपनिरीक्षक हरेष्ण, आलोक यादव, विजेंद्र नाथ मिश्रा, हेड दीवान विवेकानंद, कांस्टेबल बालेंद्र सिंह, राजेश, मनीष कुमार, अमरेश, इंद्रजीत शाह, डीक्रे. चौधरी, प्रधान मोहम्मद नदीम, अनुराग सिंह, धमशादीन, रामकिशुन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# संक्षिप्त खबरें

## समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक–एक लाख रुपए देकर की सहायता

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।पूर्व मंत्री पवन पांडे के प्रयास से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्व रामप्यारे यादव पहलवान ,स्व पंचलाल पाल व कैंसर पीड़ित हरि नारायण अवस्थी उर्फ राजू अवस्थी सहित सभी परिवार को एक एक लाख रुपये का चेक परिवार सहायता हेतु भेजा, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने परिवार को चेक सौपा, पूर्व मंत्री पवन पांडे के प्रयास से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्व रामप्यारे यादव पहलवान ,स्व पंचलाल पाल व कैंसर पीड़ित हरि नारायण अवस्थी उर्फ राजू अवस्थी सहित सभी परिवार को एक एक लाख रुपये का चेक परिवार सहायता हेतु भेजा, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने परिवार को चेक सौपा पूर्व मंत्री ने कहा कि श्री रामप्यारे यादव पहलवान व स्व पंचलाल पाल जी का निधन हो गया था पूरा समाजवादी परिवार बहुत दुखी था राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शोक संवेदना व्यक्त की व परिवारों को एक एक लाख का चेक भेजा।

## एसपी सिटी ने किया कोतवाली नगर परिसर का निरीक्षण

अयोध्या मंगलवार को एसपी सिटी चक्रपान त्रिपाठी ने कोतवाली नगर परिसर का निरीक्षण कियासनिरीक्षण के दौरान उन्हें परिसर के अंदर कई कमियां मिलीसजिसमें खास कर गंदगी को देखकर उन्होंने वहां पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को इसे शीघ्र से शीघ्र दूर करने का निर्देश दियासनिरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि कोतवाली नगर परिषद में इधर–उधर वाहनों को एक जगह खड़ा कराया जाए और साथ ही साथ कोतवाली परिसर को स्वच्छ बनाया जायस इस

मौके पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने थाने के अभिलेखों, कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, भोजनालय, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क, कारागार, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख–रखाव,आजीआरएस प्रार्थना पत्र का त्वरितध गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के संबन्ध में संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

## जेम स्टोन क्रिकेट क्लब ने आर.एन.सी. क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से पराजित कर किया ट्रॉफी पर कब्जा

अयोध्या। जिले के रुदौली तहसील के गुजरन पुरवा में गुजरनपुरवा प्रीमियर लीग टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट को जेम स्टोन क्रिकेट क्लब ने आर.एन.सी. क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया ।विजेता टीम को एक लाख इकतीस हजार और उपविजेता को पचहतर हजार का चेक प्राप्त हुआ।जेम स्टोन क्लब बी पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाए ।आर.एन.सी. क्रिकेट क्लब की ओर से मुकेश ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए ।जवाब में निर्धारित लक्ष्य जेम स्टोन क्रिकेट क्लब ने 7 ओवर में प्राप्त कर लिया ।कप्तान फिरोज खघन ने सर्वाधिक 20 नाबाद रन बनाये।फाइनल के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एहसान मोहम्मद अली उर्फ चौधरी शहरयार रहे ।चौधरी शहरयार ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा की खेल नौजवानों के जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है ।अधिकतर नौजवानों का किसी ना किसी खेल से लगाओ रहता है जिससे उनके विकास में सहयोग मिलता है ।स्वास्थ शरीर के साथ स्वस्थ मस्तिष्क के खेलों से ही प्राप्त हो सकता है। इस मौके पर चौधरी शहरयार ने विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी और चेक प्रदान किया साथ ही मुकेश को मैन ऑफ द मैच व प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी दी।इस अवसर पर मुख्य आयोजक तबरेज आलम के साथ युवजन सभा विधान सभा अध्यक्ष शुऐब खघन,मोहम्मद इद्रीस,जैनुल अब्दीन,आमिर खघन उर्फ अमीर,अहमद तावेज,राशिद मजीद,ऐनुल हक आदि मौजूद थे ।

# '100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुई शपथ'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' बुधवार को पेस संस्था एक्सेस टू जस्टिस जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलियान्स की सहयोगी संस्था पेस के द्वारा 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पेस संस्था और जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वावधान में संयुक्त रूप से चल रहा शपथ कैंपेन नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कॉलेज में संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण संपन्न हुआ। संस्था के कार्यकर्ता अवनीश मिश्रा और सरस्वती सिंह द्वारा बच्चों को बाल अधिकारों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे में जानकारी दी गई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 तथा 112 के बारे में बताया गया। बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही बच्चों से संबंधित किसी प्रकार की समस्या के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर के बारे में विधिवत जानकारी देकर बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण करने का आवाह्न किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने जोरदार नारे लगाकर संस्था का हौसला बढ़ाया और सभी बच्चों ने शपथ ली और कहा कि हम किसी भी बाल विवाह में शामिल नहीं होंगे और न ही किसी परिवारीजनों को विवाह में शामिल होने देंगे। पेस संस्था के कार्यकर्ता अवनीश मिश्रा ने बताया कि आप सभी का एकमात्र लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करने का होना चाहिए। शिक्षा हर सामाजिक बुराई को मिटाने में सक्षम है, जब समाज शिक्षित होगा तो देश का विकास अपने आप होगा। अवनीश कुमार ने संस्था की सचिव राजविंदर कौर के संदेश को सभी बच्चों को बताया कि विकसित भारत के समय में बाल विवाह की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहां की पढेंगी बेटियां तो बढ़ेगी बेटियां उन्होंने कहा कि इस 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का एक ही उद्देश्य है जागरूकता फैलाना। ताकि इसका प्रचार प्रसार प्रत्येक ग्राम पंचायत से जिला स्तर पर प्रत्येक स्कूल, गांव, नगर, मोहल्ले में हो जाए ताकि कोई भी बाल विवाह न होने पाए। कार्यक्रम के अंत में अवनीश मिश्रा द्वारा सभी बच्चों एवं समस्त स्टॉफ का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

# किसान समस्याओं का समाधान ना हुआ तो होगा बड़ा आंदोलन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत सोहावल ब्लॉक पर कर पांच बिंदुओं का ज्ञापन सौपा खंड विकास अधिकारी अनुपम वर्मा को पंचायत में बैठा कर विंदवार समस्याओं पर चर्चा की खंड विकास अधिकारी ने 2 सप्ताह के अंदर निस्तारण करने का आश्वासन दिया पंचायत की अध्यक्षता प्रेम शंकर वर्मा ने किया पंचायत का संचालन प्रदेश सचिव फरीद अहमद ने किया किसान समस्याओं को देखते हुए बताया कि सोहावल ब्लाक अंतर्गत आवारा पशु हिंसक सांडों द्वारा आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं तमाम लोगों की जान भी चली गई है किसान की फसल को चौपट कर रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार फेल नजर आ रही है तत्काल पकड़वाकर गौशाला भिजवाया जाए, हर ग्राम सभा में छूटे हुए पात्र व्यक्तियों का जांच करा कर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास दिलाया जाय, पात्र व्यक्तियों को शौचालय की सुविधा दिलाई जाए, रुकी हुई वृद्धा विधवा विकलांग पेनशन जारी कराया जाए और गांव–गांव कैंप लगाकर छूटे हुए पात्र व्यक्तियों का पेंशन बनाया जाए,पिलखवा (अरकुना) ग्राम सभा मैं जल भराव से निजात दिलाया जाए, आगेथुवा ग्राम सभा में हरिराम लोहार के घर से सुरेश कुमार प्रजापति के घर तक खरंजा लगाकर नाली बनवा जाए,रुकी हुई वृद्ध विधवा विकलांग पेंशन शीघ्र चालू कराया जाए, सोहावल ब्लॉक सामने आवासीय परिसर खंडहर मैं तब्दील हो गया है बनवाया जाए, सोहावल ब्लॉक परिसर के बगल पक्की सड़क जर्जर और गड्ढे में तब्दील हो गई है बनवा जाए।

# एक कॉल पर एम्बुलेंस तुरंत पहुंचकर मरीजों को दे रही त्वरित राहत

{राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में योगी सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए सुधारों का सकारात्मक असर अब साफ दिखाई दे रहा है। खासकर 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा ने आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। एक कॉल करते ही मरीज के दरवाजे पर एम्बुलेंस पहुंच रही है और समय पर अस्पताल पहुंचाकर हजारों लोगों की जान बचा रही है। चाहे गरीब हो या अमीर, गांव का निवासी हो या शहर का, हर वर्ग को त्वरित और मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिल रही है।राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवा के तहत संचालित 102 और 108 नंबर अब अयोध्या वासियों के लिए जीवन रक्षक बन गए हैं। पिछले आठ महीनों का आंकड़ा अपने आप में गवाही दे रहा है कि कैसे इन सेवाओं ने आपात स्थिति में लोगों का साथ निभाया है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केवल 102 एम्बुलेंस सेवा ने अप्रैल से अगस्त 2025 तक 1.25 लाख से भी अधिक मरीजों को आपातकालीन सहायता प्रदान की है। इनमें गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशु और गंभीर रूप से बीमार मरीज प्रमुख हैं। इसी अवधि में 108 एम्बुलेंस सेवा ने 50 हजार से अधिक मरीजों को विभिन्न अस्पतालों तक सुरक्षित पहुंचाया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है, जो साफ दर्शाता है कि योगी सरकार के स्वास्थ्य सुधार अभियान का कितना व्यापक असर हुआ है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार बनियान बताते हैं कि अयोध्या जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मिल रही प्रतिक्रियाएं इस बात की तस्दीक कर रही हैं कि अब लोग आपातकाल में घबराते नहीं, बल्कि तुरंत 102 या 108 डायल करते हैं। रुदौली, मिल्कीपुर, बीकापुर, सोहावल जैसे दूरदराज के इलाकों में भी एम्बुलेंस मात्र 15–20 मिनट में पहुंच जा रही है। पहले जहां मरीजों को निजी वाहनों से अस्पताल ले जाना पड़ता था और रास्ते में ही कई जानें चली जाती थीं, वहीं अब जीपीएस से लैस एम्बुलेंस और प्रशिक्षित पैरा मेडिकल स्टाफ तुरंत राहत पहुंचा रहे हैं। एक हालिया उदाहरण मिल्कीपुर क्षेत्र के निवासी अजीत यादव का है। उनकी गर्भवती पत्नी को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। रात के 2 बजे 102 पर कॉल किया गया और मात्र 12 मिनट में एम्बुलेंस घर पर पहुंच गई। समय पर जिला अस्पताल पहुंचने से मां–बच्चे दोनों सुरक्षित हैं। अजीत कहते हैं, पहले तो हम सोचते थे कि गांव में एम्बुलेंस कैसे आएगी, लेकिन योगी जी की सरकार ने यह चमत्कार कर दिखाया।इसी तरह 108 सेवा ने सड़क दुर्घटना, दिल का दौरा, सांप काटने जैसे मामलों में सैकड़ों जानें बचाई हैं। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आने वाले अधिकांश मरीज अब 108 एम्बुलेंस से ही पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि गोल्डन ऑवर में मरीज का अस्पताल पहुंचना ही सबसे बड़ा जीवनदान होता है और यह सुविधा अब अयोध्या में हर जगह उपलब्ध है।योगी सरकार ने न केवल एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाई है, बल्कि सभी वाहनों में आधुनिक उपकरण, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर की सुविधा और प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात किए हैं। इसके साथ ही कॉल सेंटर को और सुदृढ़ किया गया है, जिससे एक भी कॉल मिस न हो। जिला प्रशासन का दावा है कि आने वाले दिनों में एम्बुलेंस की संख्या और बढ़ाई जाएगी ताकि राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सके।अयोध्या के निवासी अब गर्व से कहते हैं कि रामलला की नगरी में अब न केवल आस्था है, बल्कि जीवन रक्षा की मजबूत व्यवस्था भी है। 102–108 सेवा ने यह साबित कर दिया है कि सही नीति और इच्छाशक्ति से स्वास्थ्य सेवाओं में आमूलचूल परिवर्तन लाया जा सकता है। समय पर उपचार मिलने से न केवल मरीजों की जान बच रही है, बल्कि उनके परिवारों की उम्मीद भी बनी हुई है। योगी सरकार का यह स्वास्थ्य क्रांति का मॉडल अब पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बन रहा है।

आंकड़े इस तरह है

102 – मरीज लेना –छोड़ना –कुल
अप्रैल – 7612 – 5422 – 10304
मई – 7936 – 5700– 13636
जून – 7254 – 5282 –12536
जुलाई – 7831 –6085 – 13916
अगस्त – 7311 – 5734– 13045
सितम्बर –7625 – 6452–14078
अक्टूबर – 7346 6084 –13430
नवंबर – 7458– 5625– 13083

108 – ट्रिप काउंट
अप्रैल –6353
मई – 6745
जून – 6501
जुलाई – 6901
अगस्त – 6944
सितम्बर –8236
अक्टूबर – 7327
नवंबर – 6741

# संक्षिप्त खबरें

## स्कूल व मदरसा से 91 लाख की वसूली न करने पर एसडीम का आधा वेतन रोकने का आदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुरध्– सड़क दुर्घटना के तीन मामलों में स्कूल व मदरसा से 91 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति की धनराशि की वसूली न करने पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने उपजिलाधिकारी का आधा वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का आदेश जिलाधिकारी को दिया। तीनों दुर्घटना सिपाह स्थित स्कूल व मदरसा के वाहनों से हुई थी। जरिए प्रबंधक अनवार अहमद काजमी कई बार कोर्ट ने आरसी जारी किया लेकिन वसूली नहीं की गई । स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह निवासी 60 वर्षीय प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक मिठाई लाल की श्जामिया मोमिना लिल बनातश मदरसे की टाटा मैजिक की लापरवाही से मॉर्निंग वॉक के समय हीरा पैलेस के पास सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी।परिजनों ने अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव के माध्यम से मदरसा के खिलाफ जरिए प्रबंधक अनवार अहमद काजमी व ड्राइवर शाह आलम के खिलाफ क्षतिपूर्ति का मुकदमा दाखिल किया था।जिसमें 29 अप्रैल 2023 को ट्रिब्यूनल ने मदरसे के प्रबंधक अनवार अहमद को मृतक के परिजनों को क्षतिपूर्ति अदा करने का आदेश दिया था जो ब्याज सहित 39 लाख रुपए है।इसी प्रकार सरपतहा के कम्मरपुर निवासी रामजीत सिंह की मोटरसाइकिल से जाते समय इसी मदरसे के स्कूल बस से सिद्दीकपुर पेट्रोल पंप के पास दुर्घटना हुई थी जिससे वह घायल हो गए थे।इसमें भी कोर्ट ने 20 सितंबर 2022 को क्षतिपूर्ति का आदेश दिया था जो धनराशि अब ब्याज सहित 25 लाख रुपए है। सरायख्वाजा के भदेठी गांव निवासी छात्र उमर खान को सिपाह स्थित मदर आयशा चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल बस से उतरते समय गंभीर चोटें बस की उपेक्षा से आई थीं।इसमें भी स्कूल प्रबंधक अनवार अहमद को 30 सितंबर 2022 क्षतिपूर्ति का आदेश दिया गया था जो धनराशि ब्याज सहित 27 लाख रुपये है। तीनों मामलों में क्षतिपूर्ति अदा न करने पर कोर्ट ने स्कूल व मदरसा के प्रबंधक के खिलाफ जरिए कलेक्टर आरसी जारी किया था।आदेश का अनुपालन न होने पर कोर्ट ने अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर उप जिलाधिकारी का आधा वेतन रोकने का आदेश दिया।

## प्राथमिक विद्यालय सकरौली को पुनः संचालित कराए जाने के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी भरखनी सुनील कुमार सिंह से मिले अभिभावक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्राम सकरौली, पोस्ट व ब्लॉक भरखनी, ग्राम पंचायत रमापुर, तहसील सवायजपुर, जिला हरदोई में स्थित प्राथमिक विद्यालय सकरौली कई वर्षों से सुचारू रूप से संचालित था। इस विद्यालय में तैनात अध्यापक योगेश द्विवेदी एवं शिवम यादव द्वारा जुलाई 2025 में नए प्रवेश (।कउपेपवद) लेने से मना कर दिया गया तथा विद्यालय में उपस्थित छात्रों की संख्या जानबूझकर कम दिखाई गई। परिणामस्वरूप विद्यालय को बंद करा दिया गया। वर्तमान में ग्राम सकरौली के छोटे–छोटे बच्चों को मजबूरन दूर स्थित प्रा० विद्यालय नगला पत्तू में पढ़ने जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामवासियों का कहना है कि दोनों अध्यापक लंबे समय से अपना ट्रांसफर करवाने के प्रयास में थे, और इसी उद्देश्य से विद्यालय को बंद कराने का अनुचित कार्य किया गया है ताकि स्थानांतरण का अवसर मिल सके। प्राथमिक विद्यालय सकरौली को तत्काल पुनः चालू कराने की कृपा करें। संबंधित अध्यापकों की लापरवाही की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

# मानवाधिकारों की समझ ही सशक्त समाज की आधारशिला: प्रो. विनोद कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,10 । यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के मूट कोर्ट हॉल में बुधवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवाधिकारों की संवैधानिक, सामाजिक एवं वैश्विक समझ विकसित करना तथा समकालीन परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता पर विचार–विमर्श करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी अवधारणा नहीं, बल्कि सशक्त, न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब समाज में मानवाधिकारों को लेकर जागरूकता एवं संवेदनशीलता दोनों विकसित हों।

प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि डिजिटल युग में मानवाधिकारों से जुड़े प्रश्न और चुनौतियाँ लगातार जटिल होते जा रहे हैं। साइबर अपराध, डेटा गोपनीयता, डिजिटल स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति के अधिकार जैसे मुद्दों पर विधि के विद्यार्थियों को न केवल गहन समझ विकसित करनी चाहिए, बल्कि समाज को सही मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने मानवाधिकारों से संबंधित राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रावधानों, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका तथा व्यावहारिक संरक्षण उपायों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. वनिता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, मंगला प्रसाद यादव, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. इंद्रजीत कुमार, श्रीप्रकाश यादव, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. राहुल कुमार राय, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. राजन तिवारी, जीशान अली सहित संस्थान के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।